SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal
"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Loco Pilot

लोको पायलट भारतीय रेल का वह कर्मचारी है जो रेलगाड़ी चलाता है और हज़ारों यात्रियों को सुरक्षित उनकी मंज़िल तक पहुँचाता है। इस करियर में सीधे लोको पायलट की भर्ती नहीं होती — प्रवेश सहायक लोको पायलट (ए.एल.पी.) के रूप में होता है, और...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/loco-pilot

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

🙏 विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

लोको पायलट भारतीय रेल का वह कर्मचारी है जो रेलगाड़ी चलाता है और हज़ारों यात्रियों को सुरक्षित उनकी मंज़िल तक पहुँचाता है। इस करियर में सीधे लोको पायलट की भर्ती नहीं होती — प्रवेश सहायक लोको पायलट (ए.एल.पी.) के रूप में होता है, और उसके लिए रेलवे भर्ती बोर्ड की भर्ती से गुज़रना पड़ता है। योग्यता कक्षा 10 के साथ सम्बन्धित ट्रेड की आई.टी.आई. है, अथवा कक्षा 10 के साथ तीन वर्ष का यांत्रिक, विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स या ऑटोमोबाइल अभियांत्रिकी का डिप्लोमा। सी.ई.एन. 01/2026 में 11,127 रिक्तियाँ थीं, जिनमें से 718 आर.आर.बी. अजमेर की — 600 उत्तर पश्चिम रेलवे की और 118 पश्चिम मध्य रेलवे की। इस भर्ती की दो बातें आरंभ में ही जान लेनी चाहिए, क्योंकि दोनों निर्णायक हैं। पहली, अंतिम मेरिट में आधा भार अभिक्षमता परीक्षा (सी.बी.ए.टी.) का होता है, जो कोई पाठ्यक्रम पढ़कर तैयार नहीं की जा सकती। दूसरी, चिकित्सा मानक ए-1 है — दोनों आँखों में बिना चश्मे के 6/6 दृष्टि — और लेसिक अथवा दृष्टि-सुधार की कोई भी शल्य-चिकित्सा करा चुका व्यक्ति इस पद के लिए पात्र ही नहीं है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	कक्षा 10 (मैट्रिक/एस.एस.एल.सी.) के साथ एन.सी.वी.टी./एस.सी.वी.टी. मान्यता प्राप्त संस्थान से निर्धारित 17 ट्रेडों में से किसी एक की आई.टी.आई.; अथवा उन्हीं ट्रेडों में पाठ्यक्रम-पूर्ण अधिनियम शिक्षुता; अथवा कक्षा 10 के साथ यांत्रिक/विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक्स/ऑटोमोबाइल अभियांत्रिकी का तीन वर्षीय डिप्लोमा (इन्हीं शाखाओं की डिग्री भी स्वीकार्य)
भर्ती संस्था	रेलवे भर्ती बोर्ड (आर.आर.बी.), रेल मंत्रालय — सी.ई.एन. सं. 01/2026
आयु-सीमा	18 से 30 वर्ष (सी.ई.एन. 01/2026 में 01.07.2026 को गणना)। अनुसूचित जाति/जनजाति को 5 वर्ष तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन-क्रीमी लेयर) को 3 वर्ष की छूट
आरंभिक वेतन	केंद्रीय पे मैट्रिक्स (सातवाँ वेतन आयोग) का लेवल 2 — आरंभिक मूल वेतन ₹19,900, अधिसूचना में स्पष्ट रूप से दिया गया। रनिंग एवं अन्य भत्ते इस पर अलग से जुड़ते हैं
माँग	सी.ई.एन. 01/2026 में सभी बोर्डों को मिलाकर 11,127 रिक्तियाँ — जिनमें आर.आर.बी. अजमेर की 718 (उत्तर पश्चिम रेलवे 600, पश्चिम मध्य रेलवे 118)

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- मशीन चलाने एवं तकनीकी प्रणाली को समझने में गहरी रुचि
- ऐसा काम जिसमें ज़िम्मेदारी बहुत बड़ी हो — गाड़ी में बैठे हज़ारों लोगों की सुरक्षा एक व्यक्ति की सतर्कता पर टिकी होती है
- निश्चित दिनचर्या के बजाय चलते-फिरते, पालियों में और रात में होने वाला काम

क्षमताएँ

- असाधारण दृष्टि — दोनों आँखों में बिना चश्मे के 6/6, तथा रंग, दूरबीन, क्षेत्र, रात्रि एवं मंद-प्रकाश दृष्टि की परीक्षाएँ उत्तीर्ण करना अनिवार्य
- सतत एकाग्रता एवं तीव्र प्रतिक्रिया — यही अभिक्षमता परीक्षा में मापी जाती है, और वह अंतिम मेरिट का आधा भाग है
- दबाव में शांत रहना तथा नियमों का अक्षरशः पालन, क्योंकि सिग्नल की एक चूक का परिणाम बहुत बड़ा होता है

ज़रूरी कौशल

- अपने ट्रेड का तकनीकी कौशल — फिटर, इलेक्ट्रीशियन, मैकेनिक (डीज़ल), टर्नर, मशीनिस्ट अथवा सूची में दिए अन्य ट्रेड
- कक्षा 10 स्तर का गणित एवं विज्ञान, जिस पर पहला चरण आधारित है
- आधारभूत विज्ञान एवं अभियांत्रिकी — अभियांत्रिकी आरेखन, इकाइयाँ, मापन, कार्य-शक्ति-ऊर्जा जैसे विषय, जो दूसरे चरण में पूछे जाते हैं
- सामान्य बुद्धि एवं तर्कशक्ति
- रेलवे के संकेत, संचालन नियम एवं सुरक्षा प्रक्रियाएँ — ये चयन के बाद प्रशिक्षण में सिखाई जाती हैं
- लम्बे समय तक ध्यान बनाए रखने की आदत, जो अभ्यास से बनती है और जिसकी परीक्षा सी.बी.ए.टी. में होती है

4 कैसे पहुँचें

1. सबसे पहले दृष्टि की जाँच करा लें, और यह इस पृष्ठ की सबसे महत्त्वपूर्ण सलाह है। चिकित्सा मानक ए-1 है: दोनों आँखों में बिना चश्मे के 6/6 दूर-दृष्टि, फॉगिंग परीक्षण सहित, तथा रंग, दूरबीन, क्षेत्र, रात्रि एवं मंद-प्रकाश दृष्टि की परीक्षाएँ। और यह ध्यान रहे — अधिसूचना कहती है कि लेसिक अथवा दृष्टि-दोष सुधारने की कोई भी शल्य-चिकित्सा करा चुका व्यक्ति इस पद के लिए पात्र नहीं है। अर्थात् चश्मे की समस्या ऑपरेशन से हल नहीं की जा सकती; ऑपरेशन स्वयं अयोग्यता है। यह बात आई.टी.आई. का ट्रेड चुनने से पहले जान लेनी चाहिए, बाद में नहीं।

2. कक्षा 10 उत्तीर्ण करें, फिर दो में से एक राह लें। पहली: निर्धारित 17 ट्रेडों में से किसी एक की आई.टी.आई. — फिटर, इलेक्ट्रीशियन, इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक, मिलराइट/अनुरक्षण मैकेनिक, मैकेनिक (रेडियो एवं टी.वी.), इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, मैकेनिक (मोटर वाहन), वायरमैन, ट्रैक्टर मैकेनिक, आर्मेचर एवं कॉइल वाइंडर, मैकेनिक (डीज़ल), हीट इंजन, टर्नर, मशीनिस्ट, तथा रेफ्रिजरेशन एवं वातानुकूलन मैकेनिक। दूसरी: यांत्रिक, विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स अथवा ऑटोमोबाइल अभियांत्रिकी का तीन वर्षीय डिप्लोमा, जो आई.टी.आई. के स्थान पर स्वीकार्य है — और इन्हीं शाखाओं की डिग्री भी।
3. जिनका अंतिम परीक्षा-परिणाम प्रतीक्षित है, वे आवेदन न करें — अधिसूचना यह स्पष्ट शब्दों में कहती है। योग्यता आवेदन के समय पूरी हो चुकी होनी चाहिए।
4. सी.ई.एन. आने पर ऑनलाइन आवेदन करें। "चुना हुआ आर.आर.बी." बाद में बदला नहीं जा सकता, इसलिए यह निर्णय सोच-समझकर लें: राजस्थान के अभ्यर्थी के लिए स्वाभाविक विकल्प आर.आर.बी. अजमेर है, जिसके पास सी.ई.एन. 01/2026 में 718 रिक्तियाँ थीं। शॉर्टलिस्टिंग हर चरण पर उसी बोर्ड के अभ्यर्थियों के बीच होती है जिन्होंने वही बोर्ड चुना है — अर्थात् आप पूरे भारत से नहीं, अपने बोर्ड के अभ्यर्थियों से प्रतिस्पर्धा करते हैं।
5. शुल्क ₹500 है, जिसमें से ₹400 पहले चरण की परीक्षा में उपस्थित होने पर लौटा दिए जाते हैं। अनुसूचित जाति/जनजाति, भूतपूर्व सैनिक, महिला, ट्रांसजेंडर, अल्पसंख्यक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थी ₹250 देते हैं, जो उपस्थित होने पर पूरा लौट आता है। धन-वापसी आधार से जुड़े बैंक खाते में ही होती है, इसलिए आवेदन के समय आधार सत्यापन कर लें।
6. अभिक्षमता परीक्षा (सी.बी.ए.टी.) की तैयारी को गंभीरता से लें, क्योंकि वह अंतिम मेरिट का आधा भाग है। यह रेलवे के अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आर.डी.एस.ओ.) द्वारा तैयार की जाती है और आर.डी.एस.ओ. की साइट पर अभ्यर्थियों के लिए जानकारी दी गई है — तैयारी वहीं से आरंभ करें, बाज़ार की सामग्री से नहीं।

प्रमुख परीक्षाएँ

- चयन पाँच चरणों में होता है: पहला कंप्यूटर आधारित परीक्षण (सी.बी.टी.-1), दूसरा (सी.बी.टी.-2), कंप्यूटर आधारित अभिक्षमता परीक्षा (सी.बी.ए.टी.), दस्तावेज़ सत्यापन, और चिकित्सा परीक्षण। कोई साक्षात्कार नहीं होता।
- यह इस भर्ती की सबसे महत्त्वपूर्ण संरचनात्मक बात है और इसे पहले समझ लें: अंतिम मेरिट सी.बी.टी.-2 के भाग-अ तथा सी.बी.ए.टी. को 50:50 भार देकर बनती है। सी.बी.टी.-1 के अंक अंतिम सूची में बिल्कुल नहीं गिने जाते — वह केवल छँटनी है। और सी.बी.टी.-2 का भाग-ब केवल उत्तीर्ण करना होता है (35%), उसके अंक भी नहीं जुड़ते। अर्थात् जो कुछ अंत में तय करता है, उसका आधा एक अभिक्षमता परीक्षा है, जिसे पाठ्यक्रम पढ़कर तैयार नहीं किया जा सकता।
- सी.बी.टी.-1: 60 मिनट में 75 प्रश्न, प्रत्येक एक अंक का — गणित, मानसिक योग्यता तथा सामान्य विज्ञान (दसवीं कक्षा के स्तर का भौतिकी, रसायन एवं जीव विज्ञान)। प्रत्येक गलत उत्तर पर एक-तिहाई अंक कटता है। न्यूनतम उत्तीर्ण प्रतिशत: अनारक्षित एवं ई.डब्ल्यू.एस. 40%, अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन-क्रीमी लेयर) 30%, अनुसूचित जाति 30%, अनुसूचित जनजाति 25%। सी.बी.टी.-2 के लिए रिक्तियों के 15 गुना अभ्यर्थी चुने जाते हैं।
- सी.बी.टी.-2: कुल 2 घंटे 30 मिनट में 175 प्रश्न, दो भागों में — भाग-अ में 90 मिनट के 100 प्रश्न (गणित, सामान्य बुद्धि एवं तर्कशक्ति, तथा आधारभूत विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) और भाग-ब में 60 मिनट के 75 प्रश्न, जो अपने ट्रेड से सम्बन्धित हैं। यहाँ भी एक-तिहाई ऋणात्मक अंकन है। भाग-अ में वही न्यूनतम प्रतिशत लागू होते हैं; भाग-ब में सभी वर्गों के लिए 35% उत्तीर्णांक हैं और उसके अंक आगे नहीं गिने जाते।

- सी.बी.ए.टी. के लिए रिक्तियों के 8 गुना अभ्यर्थी बुलाए जाते हैं। इसमें ऋणात्मक अंकन नहीं है और यह केवल हिंदी एवं अंग्रेज़ी में होती है। इसकी सबसे कठोर शर्त यह है कि प्रत्येक टेस्ट बैटरी को अलग-अलग उत्तीर्ण करना अनिवार्य है — हर बैटरी में कम से कम 42 का टी-स्कोर चाहिए। एक बैटरी में चूक पूरी परीक्षा में असफलता है, चाहे शेष में प्रदर्शन कितना भी अच्छा हो। सी.बी.ए.टी. के दिन नेत्र विशेषज्ञ एवं सामान्य चिकित्सक से हस्ताक्षरित स्व-जाँच चिकित्सा घोषणा मूल रूप में लानी होती है, अन्यथा बैठने नहीं दिया जाता।
- बराबरी की स्थिति में आयु से निर्णय होता है और अधिक आयु वाले को ऊपर रखा जाता है। एक से अधिक पालियों में हुई परीक्षा के अंक सामान्यीकृत किए जाते हैं। ज़ोन का आवंटन मेरिट, चिकित्सा मानक एवं अभ्यर्थी की वरीयता के अनुसार होता है — और एक बार पैनल में आ जाने पर अगली वरीयता पर विचार का अधिकार समाप्त हो जाता है।
- चिकित्सा मानक ए-1 है, जो इस पोर्टल की भर्तियों में सबसे कठोर है: दोनों आँखों में बिना चश्मे के 6/6 दूर-दृष्टि (फॉगिंग परीक्षण सहित, +2डी स्वीकार्य नहीं), निकट दृष्टि Sn 0.6 दोनों आँखों में बिना चश्मे के, तथा रंग, दूरबीन, क्षेत्र, रात्रि एवं मंद-प्रकाश दृष्टि की परीक्षाएँ उत्तीर्ण करना। लेसिक अथवा दृष्टि-सुधार की कोई भी शल्य-चिकित्सा करा चुके अभ्यर्थी पात्र नहीं हैं। यह सी.ई.एन. इस पद को बेंचमार्क दिव्यांगजन के लिए "उपयुक्त नहीं" दर्ज करता है।
- यह पृष्ठ सी.ई.एन. 01/2026 से लिखा गया है, जिसमें आवेदन 14.06.2026 को बंद हुए थे और संशोधन-विंडो 26.06.2026 तक चली। यहाँ दी गई तिथियाँ ऐतिहासिक हैं और स्रोत बताने के लिए हैं। पात्रता एवं चयन का ढाँचा इसी प्रकार रहता है; नया सी.ई.एन. आने पर रिक्तियाँ, तिथियाँ एवं आयु की गणना-तिथि उसी में देखें।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Government Industrial Training Institutes (ITI) — the main route, in the trades this CEN names — राजस्थान के सभी ज़िले (https://dsde.rajasthan.gov.in/)
- Government polytechnic colleges — the three-year diploma accepted in place of the ITI — राजस्थान के अनेक ज़िलों में (https://dte.rajasthan.gov.in/)
- National Apprenticeship Promotion Scheme — the Course Completed Act Apprenticeship route this CEN accepts — भारत सरकार — कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (https://www.apprenticeshipindia.gov.in/)

ऑनलाइन

- रेलवे भर्ती बोर्ड — सी.ई.एन., अधिसूचनाएँ एवं परिणाम — सभी बोर्डों का साझा मंच (https://rrb.indianrailways.gov.in/)
- आर.आर.बी. अजमेर — राजस्थान को कवर करने वाला बोर्ड — अजमेर, राजस्थान (https://rrb.indianrailways.gov.in/ajmer/header/overview)
- आर.डी.एस.ओ. — अभिक्षमता परीक्षा (सी.बी.ए.टी.) के विषय में अभ्यर्थियों के लिए आधिकारिक जानकारी, जो अधिसूचना स्वयं देखने को कहती है — अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन, लखनऊ (https://rdso.indianrailways.gov.in/)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)

- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

इस राह की लागत कम है। योग्यता कक्षा 10 के बाद की आई.टी.आई. अथवा पॉलिटेक्निक डिप्लोमा है, और सरकारी संस्थानों में दोनों का शुल्क बहुत कम रहता है — निजी संस्थानों की तुलना में यह अंतर बड़ा है, इसलिए सरकारी आई.टी.आई. का प्रयास पहले करें। भर्ती का शुल्क ₹500 है, जिसमें से ₹400 पहले चरण की परीक्षा में उपस्थित होने पर लौट आते हैं; अनुसूचित जाति/जनजाति, भूतपूर्व सैनिक, महिला, ट्रांसजेंडर, अल्पसंख्यक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए यह ₹250 है और उपस्थित होने पर पूरा लौट आता है। एक व्यय जिसे लोग नहीं गिनते वह चिकित्सा जाँच का है: सी.बी.ए.टी. के दिन नेत्र विशेषज्ञ एवं सामान्य चिकित्सक से हस्ताक्षरित स्व-जाँच रिपोर्ट लानी अनिवार्य है। इस पर कुछ ख़र्च होता है, पर उससे कहीं अधिक महत्त्व की बात यह है कि आँखों की जाँच तैयारी शुरू करने से पहले ही करा लेनी चाहिए — क्योंकि ए-1 मानक पूरा न होने पर तैयारी का पूरा वर्ष व्यर्थ जाता है।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

लोको शेड, रनिंग रूम, तथा गाड़ी का इंजन — काम का अधिकांश समय चलती गाड़ी में बीतता है। पदस्थापन उसी ज़ोन में होता है जो मेरिट, चिकित्सा मानक एवं वरीयता के अनुसार आवंटित होता है; राजस्थान के अभ्यर्थी प्रायः उत्तर पश्चिम अथवा पश्चिम मध्य रेलवे में जाते हैं, क्योंकि आर.आर.बी. अजमेर की रिक्तियाँ इन्हीं दो ज़ोनों की होती हैं।

कार्य-संस्कृति

यह पद अनुशासन एवं ज़िम्मेदारी का है, और उसका स्वरूप बाकी नौकरियों से भिन्न है। ड्यूटी का समय निश्चित नहीं होता — बुलावा किसी भी समय आ सकता है, और गाड़ी रात, त्योहार अथवा किसी भी मौसम में चलती है। सहायक लोको पायलट के रूप में आरंभ में काम लोको पायलट के साथ इंजन में होता है: संकेतों को देखना और दोहराना, उपकरणों पर नज़र रखना, तथा छोटी-मोटी ख़राबी ठीक करना। समय एवं विभागीय परीक्षाओं के साथ यही व्यक्ति स्वयं लोको पायलट बनता है, पहले मालगाड़ी का, फिर सवारी गाड़ी का, और आगे मेल/एक्सप्रेस का। परिवार से दूर रहना और नियमित दिनचर्या का न होना इस काम की सबसे बड़ी क़ीमत है, और इसे पहले से जान लेना ठीक रहता है।

कौन नौकरी देता है

- भारतीय रेल के क्षेत्रीय रेलवे — राजस्थान के लिए मुख्यतः उत्तर पश्चिम रेलवे (जयपुर) एवं पश्चिम मध्य रेलवे
- रेलवे की उत्पादन इकाइयाँ, जो इंजन एवं डिब्बे बनाती हैं
- रेलवे के लोको शेड — डीज़ल एवं विद्युत, जहाँ इंजन का अनुरक्षण होता है
- यह सी.ई.एन. केवल भारतीय रेल के लिए है; निजी क्षेत्र में इस पद का सीधा समकक्ष नहीं है

माँग (2026)

सी.ई.एन. 01/2026 में सभी बोर्डों को मिलाकर 11,127 रिक्तियाँ थीं, और आर.आर.बी. अजमेर की 718 — 600 उत्तर पश्चिम रेलवे की एवं 118 पश्चिम मध्य रेलवे की। रेल नेटवर्क का विस्तार, नई गाड़ियाँ एवं मालवाहक गलियारे इस संवर्ग की आवश्यकता बनाए रखते हैं। परंतु दो बातें संख्या से अधिक महत्त्वपूर्ण हैं। पहली, यह भर्ती चिकित्सा मानक पर सबसे अधिक लोगों को बाहर करती है — ए-1 दृष्टि की शर्त पूरी न करने वाला कितना भी तैयार क्यों न हो, नहीं चुना जा सकता, और लेसिक शल्य-चिकित्सा स्वयं अयोग्यता है। दूसरी, अंतिम मेरिट का आधा भाग अभिक्षमता परीक्षा से आता है, जिसमें हर टेस्ट बैटरी अलग से उत्तीर्ण करनी होती है। इसलिए इस राह की तैयारी में पहला क़दम आँखों की जाँच है और दूसरा अभिक्षमता परीक्षा की समझ — विषय की पढ़ाई तीसरे स्थान पर आती है, दूसरी भर्तियों के उलट। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. सहायक लोको पायलट — प्रवेश-पद, केंद्रीय पे मैट्रिक्स लेवल 2 (आरंभिक ₹19,900)। आरंभ में लोको पायलट के साथ इंजन में काम
2. लोको पायलट (मालगाड़ी) — विभागीय परीक्षा एवं निर्धारित अनुभव के बाद पदोन्नति
3. लोको पायलट (सवारी गाड़ी), फिर लोको पायलट (मेल/एक्सप्रेस) — क्रमशः पदोन्नति द्वारा, प्रत्येक चरण पर उच्चतर वेतन-स्तर
4. लोको निरीक्षक एवं उससे ऊपर पर्यवेक्षी पद — दीर्घ सेवा एवं विभागीय चयन से। यही मार्ग रनिंग संवर्ग से प्रशासनिक कार्य की ओर जाता है
5. एक बात इस सूची के विषय में स्पष्ट रहे: सबसे ऊपर का प्रवेश-पद, उसका वेतन-स्तर एवं वेतन अधिसूचना से लिए गए हैं, परन्तु उसके ऊपर के ग्रेडों के नाम एवं पदोन्नति की प्रक्रिया अधिसूचना में नहीं दी गई — अधिसूचना उस पद का वर्णन करती है जिसे भरा जा रहा है, उसके ऊपर की सीढ़ी का नहीं। ऊपर के चरणों को राह की आकृति समझें, न कि प्रलेखित वचन; वर्तमान पद-नाम एवं शर्तें सेवा-नियमों में देखें।

कमाई

शुरुआत	केंद्रीय पे मैट्रिक्स लेवल 2 — आरंभिक मूल वेतन ₹19,900
मध्य स्तर	₹40,000 – ₹60,000 (भत्तों सहित, लोको पायलट बनने पर)
वरिष्ठ स्तर	₹70,000 से अधिक (भत्तों सहित, मेल/एक्सप्रेस लोको पायलट एवं निरीक्षक स्तर पर)

आरंभिक आँकड़ा अनुमान नहीं है — सी.ई.एन. 01/2026 की तालिका में लेवल-2 एवं आरंभिक वेतन ₹19,900 स्पष्ट रूप से लिखा है, और यही आँकड़ा कर्मचारी चयन आयोग की वेतन-सूची से मेल खाता है, जहाँ केंद्रीय लेवल 2 का पहला खाना ₹19,900 है — दो स्वतंत्र केंद्रीय स्रोत, एक ही संख्या। इस पृष्ठ के पुराने संस्करण में आरंभिक वेतन "₹38,000 प्रति माह" लिखा था; वह किसी स्रोत से नहीं आया था और भत्तों सहित का अनुमान था, इसलिए हटा दिया गया है। यह अंतर समझने योग्य है: ₹19,900 मूल वेतन है, और रनिंग संवर्ग की वास्तविक आय इससे काफ़ी अधिक होती है क्योंकि उस पर महँगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता तथा रनिंग भत्ता जुड़ता है — रनिंग भत्ता चली हुई दूरी पर मिलता है, इसलिए वह हर माह एक-सा नहीं रहता और उसका कोई निश्चित आँकड़ा अधिसूचना नहीं देती। इसके अतिरिक्त रेलवे कॉलोनी में आवास, रेलवे अस्पताल की चिकित्सा सुविधा तथा यात्रा की सुविधा भी मिलती है। एक सावधानी: पे मैट्रिक्स के स्तर की संख्या राज्य एवं केंद्र में एक जैसी नहीं होती, इसलिए तुलना रुपये से करें। मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक वेतन-पत्रक से पुष्ट नहीं; उन्हें दिशा समझें, वचन नहीं। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- कक्षा 10 के बाद आई.टी.आई. अथवा डिप्लोमा पर केंद्र सरकार की स्थायी नौकरी, और वह भी लेवल-2 पर — इस पोर्टल की कक्षा-10 वाली अन्य केंद्रीय राहें लेवल-1 पर आरंभ होती हैं
- रनिंग संवर्ग का भत्ता मूल वेतन के ऊपर जुड़ता है, इसलिए वास्तविक आय समान वेतन-स्तर के दफ़्तरी पदों से अधिक रहती है
- पदोन्नति का मार्ग स्पष्ट एवं निश्चित है — सहायक लोको पायलट से मालगाड़ी, सवारी गाड़ी और मेल/एक्सप्रेस के लोको पायलट तक, हर चरण पर उच्चतर वेतन-स्तर
- सी.बी.ए.टी. में ऋणात्मक अंकन नहीं है, और अनुसूचित जनजाति के लिए उत्तीर्णांक 25% है — इस पोर्टल की केंद्रीय भर्तियों में सबसे नरम

चुनौतियाँ

- चिकित्सा मानक ए-1 इस पोर्टल का सबसे कठोर मानक है, और लेसिक अथवा दृष्टि-सुधार की कोई भी शल्य-चिकित्सा करा चुका व्यक्ति पात्र ही नहीं है — अर्थात् चश्मे की समस्या का कोई उपाय नहीं। जाँच तैयारी से पहले करा लें
- अंतिम मेरिट का आधा भाग अभिक्षमता परीक्षा से आता है, जिसमें प्रत्येक टेस्ट बैटरी अलग से उत्तीर्ण करनी होती है — एक बैटरी में चूक पूरी परीक्षा में असफलता है, चाहे विषय की तैयारी कितनी भी अच्छी हो
- ड्यूटी का समय निश्चित नहीं होता और बुलावा किसी भी समय आ सकता है; रात, त्योहार एवं हर मौसम में गाड़ी चलती है, इसलिए परिवार से दूरी एवं अनियमित दिनचर्या इस काम की स्थायी क़ीमत है
- यह सी.ई.एन. इस पद को बेंचमार्क दिव्यांगजन के लिए "उपयुक्त नहीं" दर्ज करता है, इसलिए यह राह उनके लिए खुली नहीं है — रेलवे की अन्य भर्तियाँ, जैसे लेवल-1 के पद, खुली हैं

9 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.)
- रेलवे लेवल-1 पद — ट्रैक मेंटेनर, पॉइंट्समैन एवं सहायक (जिसे प्रायः "रेलवे ग्रुप डी" कहा जाता है)
- आर.आर.बी. — सेक्शन कंट्रोलर (रेलवे)

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. रेलवे भर्ती बोर्ड — सी.ई.एन. एवं अधिसूचनाएँ (अपना बोर्ड चुनें) — https://rrb.indianrailways.gov.in/

2. आर.आर.बी. अजमेर — राजस्थान को कवर करने वाला बोर्ड — https://rrb.indianrailways.gov.in/ajmer/header/overview

3. आर.डी.एस.ओ. — अभिक्षमता परीक्षा (सी.बी.ए.टी.) की आधिकारिक जानकारी, जो अधिसूचना स्वयं देखने को कहती है — https://rdso.indianrailways.gov.in/

4. आर.आर.बी. आवेदन पोर्टल — सभी सी.ई.एन. के लिए एक ही खाता — https://www.rrbapply.gov.in/

5. भारतीय रेल — रेल मंत्रालय (भारतीय रेल चिकित्सा नियमावली सहित) — https://indianrailways.gov.in/

6. कौशल एवं आजीविका विभाग, राजस्थान — सरकारी आई.टी.आई. — https://dsde.rajasthan.gov.in/

7. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

8. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

9. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in